UP Board Solutions Class 7 Agricultural Chapter 3 भू-परिष्करण

अभ्यास के प्रश्न

1.सही पर सही का (✓) का निशान लगाइए –

1.भू-परिष्करण से-

क) केवल जल का संचार होता है ।

ख) केवल वायु का संचार होता है ।

ग) जल एवं वायु दोनों का संचार होता है। (✓)

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

ii. पाटा लगाने से–

क) केवल बड़े-बड़े ढेले टूटते हैं।

ख) केवल छोटे -छोटे ढेले टूटते हैं।

ग) बड़े एवं छोटे दोनों प्रकार के ढेले टूटते हैं ।

घ) ढेले टूटते नहीं हैं ।

iii. पतली पपड़ी या टिल्थ से-

क) मृदा की नमी नष्ट हो जाती है।

ख) मृदा की नमी बढ़ जाती है।

ग) मृदा की नमी सुरक्षित रहती है। (✓)

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

iv. मिट्टी चढ़ाने से-

क) कन्द वाली फसलों को नुकसान होता है।

ख) कन्द वाली फसलों को लाभ होता है। (✓)

https://www.evidyarthi.in/

ग) कन्द वाली फसलों को लाभ एवं नुकसान होता है।

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

v. बाहर से अंदर की जुताई-

क) सीधे-सीधे करते है।

ख) तिरछे तिरछे करते हैं

ग) गोल आकार में करते हैं।

घ) बाहर से अन्दर की ओर करते हैं। (✓)

vii. देशी हल से-

क) मिट्टी की खुदाई होती है।

ख) मिट्टी की पलटाई होती है।

ग) मिट्टी की जुताई होती है। (✓)

घ) मिट्टी की सिंचाई होती है।

2.रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

i) भू-परिष्करण से भूमि की उर्वरा शक्ति **बढ़** जाती है। (घट, बढ़)

ii) पाटा लगाने से कृषि कार्यो में **सुविधा** होती है। (असुविधा, सुविधा)

iii) मिट्टी चढ़ाने से कन्द **बड़े** बनते है। (बड़े, छोटे)

iv) पट्टियों में जुताई **पहाड़ी** भागों में की जाती है। (मैदानी, पहाड़ी)

v) उथली जुताई में भूमि का **10-20** सेमी. की गहराई तक जुताई करते हैं (10-20, 40-80)

vi) कुदाल से खेत की **गुड़ाई** होती है। (जुताई, गुड़ाई)

3. निम्नलिखित कथनों में सही पर सही (✓) तथा गलत पर गलत (×) का निशान लगाइये-

क) भू-परिष्करण द्वारा भूमि की भौतिक एवं रासायनिक दशाओं में सुधार होता है। **(✓)**

ख) पाटा लगाने से खेत ऊबड़–खाबड़ हो जाता है। **(×)**

ग) मृदा के ऊपरी सतह पर बनी पपड़ी मृदा नमी को नष्ट कर देती है। **(×)**

https://www.evidyarthi.in/

घ) पाटा लगाने से बीजों का अंकुरण अच्छा होता है। **(✓)**

ङ) मिट्टी चढ़ाने से गन्ना की फसल अधिक वर्षा एवं तेज हवा से गिर जाती है। **(×)**

च) अंदर से बाहर की ओर जुताई में खेत के एक कोने से प्रारम्भ करके धीरे-धीरे अंदर की ओर ले जाते हैं। **(×)**

छ) गहरी जुताई को उथली जुताई भी कहते हैं। **(×)**

ज) देशी हल आधुनिक हल है। **(×)**

4. निम्नलिखित में स्तम्भ `क' को स्तम्भ `ख' से मिलाइये-

उत्तर–

स्तम्भ `क'	**स्तम्भ `ख'**
i) देशी हल	जुताई
ii) मेस्टन हल	मिट्टी पलटना
iii) कन्द वाली फसल	मिट्टी चढ़ाना
iv) डिबलर	बीज बोने का यंत्र

5.भूमि का कटाव किस क्रिया द्वारा कम हो जाता है?

उत्तर-

भू-परिष्करण की क्रिया द्वारा भूमि का कटाव कम हो जाता है।

6.कन्द वाली फसलों के नाम लिखिए।

उत्तर-

कन्द वाली फसलों के नाम-

आलू, बण्डा, शकरकंद आदि।

7.कौन सी फसल मिट्टी न चढ़ाने से तेज हवा से गिर जाती है?

उत्तर-

गन्ना की फसल मिट्टी न चढ़ाने से तेज हवा से गिर जाती है।

8.अंदर से बाहर की ओर जुताई विधि का सचित्र वर्णन कीजिए।

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर-

अंदर से बाहर की ओर जुताई-

अन्दर से बाहर की जुताई

इसमें जुताई खेत के बीचो-बीच से प्रारम्भ करके धीरे-धीरे बाहर की ओर लाकर समाप्त करते हैं।

9. गहरी जुताई क्यों की जाती है? यदि गहरी जुताई न की जाय तो क्या नुकसान होगा?

उत्तर-

गहरी जुताई भूमि की नमी सुरक्षित और भूमि की निचली सतहों से कठोर परत को तोड़ने के लिए की जाती है।

गहरी जुताई न करने से-

1- भूमि में जल अवशोषण की क्षमता कम हो जाएगी।

2– कीड़े, बीमारी व खरपतवारों से फसल को काफी नुकसान होगा।

10. देशी हल बनाकर उसके भागों के नाम लिखिए।

उत्तर-

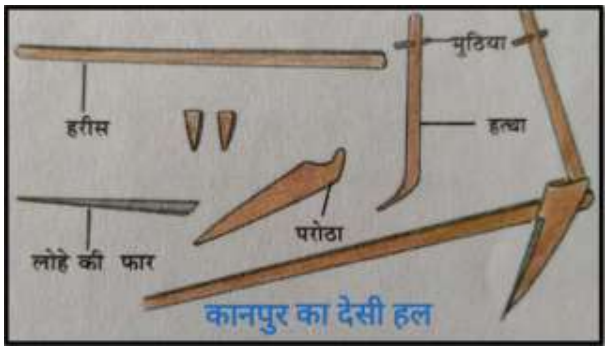

11. डिबलर का चित्र बनाइए।

उत्तर-

https://www.evidyarthi.in/

12. शून्य भू-परिष्करण का क्या अर्थ है? इसके लाभ एवं हानियाँ बताइये।

उत्तर–

शून्य भू–परिष्करण

किसी फसल की बुआई, पूर्व फसल के अवशेषों में ही बिना जुताई किये, सीधे रूप से करना शून्य भू-परिष्करण कहलाता है।

लाभ-

1. श्रम तथा धन की बचत
2. मृदा क्षरण का कम होना
3. खेती की लागत में कमी

हानि-

1. मृदा में सख्त सतह का बनना।
2. पूर्व फसल के अवशेषों पर लगे हुए कीट और रोग का प्रभाव अगली फसल पर होना।

https://www.evidyarthi.in/